

DPN 6022

Title : सप्तशति (?) SAPTA SATI

Run. No. 6713

Cat. No. 100

Micro. No.

Subject ?

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 28.5 x 10.3 Folios 14 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्रशुप्रतिमान प्र. माय

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

prashupratiman pr. may

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

वर्धक। कृष्ण। धूर्तवर्धन। कथा। मूला। कथा। यथा। वा। जानी। वि। न। कि। सु। या। मय। दी। र्घ। लि। वा। चि। ता। स्व। व। द। न। मि। ता। नि।
 स्थ। र्वा। जा। नि। य। व। म। व। नि। उ। छि। या। न। च। य। म। ले। मू। क। ना। य। व। च। हा। न। या। अ। म। ग। वि। श। य। व। म। अ। स। म। व। के। मू। क। य।
 नी। कृ। श। म्ना। च। कृ। कि। म। द। ग। हा। मू। यि। का। य। धृ। त। य। न। धृ। यि। स। मू। या। व। र्ध। नी। कथा। वर्धक। कृ। श। ल। ख। न। धृ। मा। क। ना। क। व।
 ले। कृ। नी। मू। त। मू। म्मे। य। धृ। मा। जा। क। व। क। क। व। क। मू। यि। उ। लू। का। ल। मि। का। वा। यि। उ। नू। न। य। य। ल। मू। क। म। न्दी। हा। लां। र्हा। र्हा। नू। च।
 अ। ला। व। न्ता। उ। म्म। व। च। ग। र्हा। या। र्था। कथा। ल। म्मा। म। म्म। व। य। थ। र्दृ। कृ। नी। न। मि। वृ। दि। दी। य। कि। यि। नी। र्था। नि। दु। व। न। व। च।
 वा। टी। क। या। च। या। य। धृ। स। व। नै। धृ। यि। न। व। च। कृ। द। कृ। पि। यृ। दृ। दा। व। स। म्म। मा। र्जु। न। म। व। च। उ। य। म्म। न। कृ। था। ला। का। वि। म्म। न। धृ।
 य। नै। कथा। वर्धक। धृ। म। हि। मा। रा। घा। दृ। म्म। य। न्त्र। य। य। न्त्र। को। जालै। कथा। य। व। र्ध। धृ। वि। म्म। न्म। यृ। ग। म। व। च। इ। यृ। कृ। न। य। नै।
 उ। म्म। नि। दा। क। ल। क। म्म। कि। म्म। म्म। ग। ल। कथा। मू। ले। य। नि। मा। नै। च। वा। नू। ली। मान। र्हा। ख। लु। क। कृ। व। सि। द्धा। कृ। य। नि।

२०
 १५
 १०
 ५
 ०
 २५
 ३०
 ३५
 ४०
 ४५
 ५०
 ५५
 ६०
 ६५
 ७०
 ७५
 ८०
 ८५
 ९०
 ९५
 १००
 १०५
 ११०
 ११५
 १२०
 १२५
 १३०
 १३५
 १४०
 १४५
 १५०
 १५५
 १६०
 १६५
 १७०
 १७५
 १८०
 १८५
 १९०
 १९५
 २००
 २०५
 २१०
 २१५
 २२०
 २२५
 २३०
 २३५
 २४०
 २४५
 २५०
 २५५
 २६०
 २६५
 २७०
 २७५
 २८०
 २८५
 २९०
 २९५
 ३००
 ३०५
 ३१०
 ३१५
 ३२०
 ३२५
 ३३०
 ३३५
 ३४०
 ३४५
 ३५०
 ३५५
 ३६०
 ३६५
 ३७०
 ३७५
 ३८०
 ३८५
 ३९०
 ३९५
 ४००
 ४०५
 ४१०
 ४१५
 ४२०
 ४२५
 ४३०
 ४३५
 ४४०
 ४४५
 ४५०
 ४५५
 ४६०
 ४६५
 ४७०
 ४७५
 ४८०
 ४८५
 ४९०
 ४९५
 ५००
 ५०५
 ५१०
 ५१५
 ५२०
 ५२५
 ५३०
 ५३५
 ५४०
 ५४५
 ५५०
 ५५५
 ५६०
 ५६५
 ५७०
 ५७५
 ५८०
 ५८५
 ५९०
 ५९५
 ६००
 ६०५
 ६१०
 ६१५
 ६२०
 ६२५
 ६३०
 ६३५
 ६४०
 ६४५
 ६५०
 ६५५
 ६६०
 ६६५
 ६७०
 ६७५
 ६८०
 ६८५
 ६९०
 ६९५
 ७००
 ७०५
 ७१०
 ७१५
 ७२०
 ७२५
 ७३०
 ७३५
 ७४०
 ७४५
 ७५०
 ७५५
 ७६०
 ७६५
 ७७०
 ७७५
 ७८०
 ७८५
 ७९०
 ७९५
 ८००
 ८०५
 ८१०
 ८१५
 ८२०
 ८२५
 ८३०
 ८३५
 ८४०
 ८४५
 ८५०
 ८५५
 ८६०
 ८६५
 ८७०
 ८७५
 ८८०
 ८८५
 ८९०
 ८९५
 ९००
 ९०५
 ९१०
 ९१५
 ९२०
 ९२५
 ९३०
 ९३५
 ९४०
 ९४५
 ९५०
 ९५५
 ९६०
 ९६५
 ९७०
 ९७५
 ९८०
 ९८५
 ९९०
 ९९५
 १०००

२०
 १५
 १०
 ५
 ०
 ५
 १०
 १५
 २०
 २५
 ३०
 ३५
 ४०
 ४५
 ५०
 ५५
 ६०
 ६५
 ७०
 ७५
 ८०
 ८५
 ९०
 ९५
 १००
 १०५
 ११०
 ११५
 १२०
 १२५
 १३०
 १३५
 १४०
 १४५
 १५०
 १५५
 १६०
 १६५
 १७०
 १७५
 १८०
 १८५
 १९०
 १९५
 २००
 २०५
 २१०
 २१५
 २२०
 २२५
 २३०
 २३५
 २४०
 २४५
 २५०
 २५५
 २६०
 २६५
 २७०
 २७५
 २८०
 २८५
 २९०
 २९५
 ३००
 ३०५
 ३१०
 ३१५
 ३२०
 ३२५
 ३३०
 ३३५
 ३४०
 ३४५
 ३५०
 ३५५
 ३६०
 ३६५
 ३७०
 ३७५
 ३८०
 ३८५
 ३९०
 ३९५
 ४००
 ४०५
 ४१०
 ४१५
 ४२०
 ४२५
 ४३०
 ४३५
 ४४०
 ४४५
 ४५०
 ४५५
 ४६०
 ४६५
 ४७०
 ४७५
 ४८०
 ४८५
 ४९०
 ४९५
 ५००
 ५०५
 ५१०
 ५१५
 ५२०
 ५२५
 ५३०
 ५३५
 ५४०
 ५४५
 ५५०
 ५५५
 ५६०
 ५६५
 ५७०
 ५७५
 ५८०
 ५८५
 ५९०
 ५९५
 ६००
 ६०५
 ६१०
 ६१५
 ६२०
 ६२५
 ६३०
 ६३५
 ६४०
 ६४५
 ६५०
 ६५५
 ६६०
 ६६५
 ६७०
 ६७५
 ६८०
 ६८५
 ६९०
 ६९५
 ७००
 ७०५
 ७१०
 ७१५
 ७२०
 ७२५
 ७३०
 ७३५
 ७४०
 ७४५
 ७५०
 ७५५
 ७६०
 ७६५
 ७७०
 ७७५
 ७८०
 ७८५
 ७९०
 ७९५
 ८००
 ८०५
 ८१०
 ८१५
 ८२०
 ८२५
 ८३०
 ८३५
 ८४०
 ८४५
 ८५०
 ८५५
 ८६०
 ८६५
 ८७०
 ८७५
 ८८०
 ८८५
 ८९०
 ८९५
 ९००
 ९०५
 ९१०
 ९१५
 ९२०
 ९२५
 ९३०
 ९३५
 ९४०
 ९४५
 ९५०
 ९५५
 ९६०
 ९६५
 ९७०
 ९७५
 ९८०
 ९८५
 ९९०
 ९९५
 १०००

२०
 १५
 बहुमनः समाः सवनाः लखवर्षादिनीहवतिष्ठिथः सदा मना विविधः कथं चिन्तयेत्
 १५ नलहो नो सदाहो नो नो वधूयतिः एकमोयुतना श्रववक्राजानि लुथानिनी १५ नका सदा मेरु
 ववखवोयुसहिमाफुथो १५ श्रवसवामरुति कोषाविहीनविकारिणी १५ यद्वीवीयागुरुवक्राहितिनि
 मरुर्कः १५ आवली समनसमा सुमा सुगमा तथा १५ श्रवसवामकः लुद्धी धीमावगवनी पुनः १५ विचली ८
 नाववसमहाव मायावभायति १५ जानीवतमविश्रय गूबानामरुतिः १५ लिबः १५ ककनी सेववामा को
 विवर्ष विनिगद्यनः १५ ककनी महिना हीना सुहमा सुवनी मता १५ मूवखवदिवाकौ मो मूयि काला
 हिधायतः १५ सवाव रुकुत्रलो समनः १५ श्रवसवलिवा १५ काटना मूवर्षा क लुना पृथु क ग यः
 ला १५ सदा वनलुका १५ कां समस वत एवय १५ विल्या नामरुकायां वनमाया रमे १५ सह १५ श्रवा
 म
 क

१०
 ५
 गविनयिचकानीला कलमनः कना १५ श्यायौलायिनीनामधूसा तिलमनायनः १५ वीवीलुह सनदनुका
 माके चमवचवि १५ कनादहायभा माया मनीविः ककनागविश्रवा मना ववायागः कालः १५ कालिनी
 मना नयकासीयागिनया लुवचिर्हावनी विना १५ वनजानी यथा जाकि यल्लुववनी युयकः १५ ममादोय
 ननीलुह सदा रुकुहानिवा विचन दालया १५ लुह सुनसुयनमायनः १५ टंकाना वीतनलुह ककयोगः १५ कर्मलः
 हि १५ पृथु कलु विकृता का मूवाववव लो कक १५ कलु शः लो मना वी लका म १५ लुह वरुयु क १५ लयकमत
 था लुलु श्रवो पृथु यनिष्ठिथः १५ कडावनी नूवा माया विचः १५ लुह मथयिच १५ निडलुह कवा मा कालिनी
 घलि कामता १५ वत मायाया गान्दः १५ कवीव नरुया चिर्नः १५ केवला यां उया मूद्धि १५ सवीज मनुनकः १५ सुव
 कूटादि अरु लु मूया कस्या दनिगहा १५ नदा कमा सना १५ सामं सुहर्ष यागिनी नूवप विगकिर्षा मकः १५ लुः

साधुनीयायविषयभ्रमपननकायकदमरुहिमलकायविषययत्नकायागनि। धनीसमर्थसुखैतथा
 कीर्तिसुखसुमनः। धूर्तस्याद्विनायवि। हंसवीजसुनकीर्तिलूना। धूममः। थायवि। निर्वीक्षयागसहिता
 ४। सुनकीर्तिसुदः। कवाः। सुहृत्सुनधुवामाका। विषयमादयूनरुवा। नामरिद्धरुनाथीनामिमकूटाकवादि
 काः। अधूनाप्रयसूकानां नामाकूटावुवीमिग। हानसुनीविषयधूर्ताल्लिगायांकमलहि। निर्वर्षक ७
 लुडदिगावैहालसू। धूर्तवव। अहः। सुहृत्सुमासूद्धिधोवर्वखात्। धामनः। वीक्षकाभीतथानद्यो
 हंयदिविनाजिव। सुनरुद्धिमलीलचकानिका। मागविमर्त। महिर्गकाकर्वहावगुमी। सुहृत्सुमनस्य
 धि। नल। सुहृत्सुतीसाका। नावीजनववामनः। कवः। सुहृत्सुतावीक्षकमलकमलायवि। हवउवः
 सुप्रदीयसस्यवाप्रीयभवव। हंसलुंकाकवाधु। विषयना। अहनिद्धना। दिव्यमनः। कायसुहृत्

विद्यानैहियागितं। मनादुदोयागतीकावीक्षोवामदनिद्धना। नरमंडा। महिर्गललीलसकावमसूक। ना
 नातनीयावमानोवयः। सुममनाकूकमकीर्तिलुं वधू। मूर्द्धि। धामायायनिकुथमजालं। सोमावोदनामकू
 टं। लकीयकीर्तितं। मेरुववृत्तकनावीमाया। सुमसूवकं। गद्यविषा। मीसुम। सुदा। माया। धवाकमा। कृषः
 धवनिगा। मूर्द्धि। उदा। यटकूद्यपि। सुनदरुं। सुवभुयावै। सुदवृज। तेनच। सया। मम०। सुनादलिगाव
 धामलित्रं। सुया। विनाजि। साकूवभहो। सुसूकूटविनायकः। प्रयाविमि। साद्यायर्थं। उमसुनकमासुथा।
 नद्याविनादार्तुमपि। गविनेर्जं। सुमयनं। आर्यमको। मुकवीजदानं। वलजलनथा। कावकारुं। सुनः। काया
 मानकाकृष्टमोकिंक। वकास्यनेकमादकालं। श्रीर्तुसूयविमि। ता। नरुहलं। १०४। सुयः। सुहृत्सुमनस्य
 यनं। सुविः। क। ममलकीवलोहवकमलायवि। दत्तं। धर्मा। धाम४। सुहृत्कीर्तं। विनाटकं। १। दवीनीडीज

साक

लैमायात्रवददलुगानिहि। मन्त्रथायवोर्लैजाकिचधुवील्लदयानिनाभस्युहा॥ सर्वजवेनडोडुम
वलिप्र॥ फिहा॥ साध्याकैनाल्लनचकुलमाकनामथा। विवाहपर्वस्यधनादयकोनकनामन॥ ल
रुधुत्रोवसर्वमीवामक। धुनूसेयना॥ उदुवानूतमाहकुचकाधुसुहलीलया। कीनलूनकनापिमान
कनायुमयान। लूननमाकीनलुहकुमासुनानमकक। उकडेनल्लकेलीयंउदहावोतन॥ उहं। सदः
सावेमकहंस॥ यथायमुवनसुनो। कूटीनसकना। मकासासिकनसमयान। नहाडंकोतथाधूनकम
वेवकु। धायनि। स्वत्रहा। लो। गुरुलीलधून॥ सुदू॥ सवामदक। उकमीननसुर्कम० नर्वसुना॥
कमा०। वाहस्यसमानकल्लतथास्ववगजोजने। नव॥ उहंसेम। मकमकाहाववनीसद॥ विव
सुनोवधुवीजलीललाहिनमयान। मूत॥ यनैवधुनामाकूटा॥ कथेकलील्लवि। मर्मसुनोसव

कोवयुक्तिकीनगविहिन। लुका म०। नवाजानीयुगवतलुगानिनि। सुनलूनोवथागियामनूतंस
पुत्रकन। हंमलीलचमायाचनविचिरुपकीर्तिन। कनासायुटिनी। महेलूनोपूर्वक। लो॥ उवि॥ ह
दविहमककासा॥ उहंवदकवाकन॥ वामदविहसुसुर्कनाहिनवधूमनिहि। ममसमानन॥ नेन
यानामदगिनुना। रुधु॥ ल्लेनाहावलीला। मायाविल्लंउहंदिमं। यागि। योधवतमस्यास्वन॥ यू
ठनमार्धयूक। काकि। योकायहानूकुवधुसुनरुमायदि। कामलोव॥ कनन॥ लो॥ उहंमुर्धनि
लाहिन। विनादार्धरुवडकमोडुसुननिन॥ फिर्न। टंकाव॥ लयति। लीलातथा॥ उरुदुदोयदि।
यागि। यो। नवलसुसा। नालिनय॥ कन॥ मनायति। रुयाथीदि। कसाध॥ धा॥ उवयून॥ न॥ द
ननूवसायाग॥ उहकीनावथकन। यागिनयाल्लसीवकनगापिनिवधुयूक। उया॥ लक॥

[illegible][illegible]

वचनमनाहोरोहं कामरुवसो मलवासवि ॥ १ ॥ वचनवः ॥ रुलयति ॥ २ ॥ लोहाजातिर्न विस्मिता ॥ ३ ॥ मे कला
 या ह्यमायवचनवती या जिनासुव ॥ ४ ॥ वक्षान्धायका किन्या वधूनाथपुवादिनी ॥ ५ ॥ वचनवः ॥ ६ ॥ कालं मे वचन
 जायति स्मिता ॥ ७ ॥ अथ उवाच वचनः ॥ ८ ॥ कृता नाना नामान्छीत्यनी ॥ ९ ॥ लीला गज अरुखवदिर्मसामी गविस्मिता ॥
 उदयानः ॥ १० ॥ रुलवः समहानमनः ॥ ११ ॥ कमा ॥ विविचो म ० ॥ १२ ॥ उवसु माया ॥ १३ ॥ १४ ॥ वचनमलवः ॥
 धुनेर्मदानः ॥ १५ ॥ समुदीति ॥ १६ ॥ कृता ह्याला मनाहोरो मरुम विवर्धुको ॥ १७ ॥ अत्रिष्टावल श्रोत्या तथ
 कसमस्मि मरुमा ॥ १८ ॥ वममनः ॥ १९ ॥ वचनः ॥ २० ॥ सर्वथा गिना मरिधी यन ॥ २१ ॥ जाती न ॥ २२ ॥ वचनमोहनक्रीडः
 वकुली ॥ २३ ॥ माया खवादि मे कर्मा कर्तुं ॥ २४ ॥ वचनमखानिल ॥ २५ ॥ गिना ॥ २६ ॥ अर्धमलिया ॥ २७ ॥ २८ ॥ समं यती ततः ॥
 वचनजाति ॥ २९ ॥ कर्मा ॥ ३० ॥ अथ उवाच वचनी ॥ ३१ ॥ वचनी जाति ॥ ३२ ॥ ह्यूलो ॥ ३३ ॥ नैध ॥ ३४ ॥ उवाच ॥ ३५ ॥ हवा वी ॥ ३६ ॥

वीमानाहोरोहं कामरुवसो मलवासवि ॥ १ ॥ वचनवः ॥ रुलयति ॥ २ ॥ लोहाजातिर्न विस्मिता ॥ ३ ॥ मे कला
 या ह्यमायवचनवती या जिनासुव ॥ ४ ॥ वक्षान्धायका किन्या वधूनाथपुवादिनी ॥ ५ ॥ वचनवः ॥ ६ ॥ कालं मे वचन
 जायति स्मिता ॥ ७ ॥ अथ उवाच वचनः ॥ ८ ॥ कृता नाना नामान्छीत्यनी ॥ ९ ॥ लीला गज अरुखवदिर्मसामी गविस्मिता ॥
 उदयानः ॥ १० ॥ रुलवः समहानमनः ॥ ११ ॥ कमा ॥ विविचो म ० ॥ १२ ॥ उवसु माया ॥ १३ ॥ १४ ॥ वचनमलवः ॥
 धुनेर्मदानः ॥ १५ ॥ समुदीति ॥ १६ ॥ कृता ह्याला मनाहोरो मरुम विवर्धुको ॥ १७ ॥ अत्रिष्टावल श्रोत्या तथ
 कसमस्मि मरुमा ॥ १८ ॥ वममनः ॥ १९ ॥ वचनः ॥ २० ॥ सर्वथा गिना मरिधी यन ॥ २१ ॥ जाती न ॥ २२ ॥ वचनमोहनक्रीडः
 वकुली ॥ २३ ॥ माया खवादि मे कर्मा कर्तुं ॥ २४ ॥ वचनमखानिल ॥ २५ ॥ गिना ॥ २६ ॥ अर्धमलिया ॥ २७ ॥ २८ ॥ समं यती ततः ॥
 वचनजाति ॥ २९ ॥ कर्मा ॥ ३० ॥ अथ उवाच वचनी ॥ ३१ ॥ वचनी जाति ॥ ३२ ॥ ह्यूलो ॥ ३३ ॥ नैध ॥ ३४ ॥ उवाच ॥ ३५ ॥ हवा वी ॥ ३६ ॥

स्वनखनाद विद्यना योगिनद हयक ॥ श्रीनक्षत्रोद्धावक यत्नाहोवन नृदया ॥ जाति ८ सदमुपामाला सदा मा
 यादिदा ८ कन ८ श्रीनक्षत्रोद्धावक विद्वन्खायकीरिणा ॥ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 हा नायक नृदया ८ कन ८ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 ककि विद्या ८ नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 नीकूट मयन ८ सदमुपामाला सदा मायादिदा ८ कन ८ श्रीनक्षत्रोद्धावक यत्नाहोवन नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 र्थादिना ८ कन ८ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 ८ कन ८ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 ८ कन ८ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा
 ८ कन ८ म ० नमो मनाद हयना नृदया ८ कन स्वनक्षत्र सदा

[illegible]

नाजल ॥ लिङ्को सादि कूटं दुदूती विषम तः ॥ यन ॥ माय तथान द्यादि निवे वज्र वा ततः ॥ अहर्गो वन
मूर्द्धि पेट स-कूट मूयत ॥ दहर्दि मं मनान द्या य निर्वी ॥ एन्द वाम दृक् ॥ रुव दूय मः काय हान धा ॥ धूव ॥ वच ॥
मखला ॥ अः सुनि ॥ धाका सदा न कृ ॥ रु निव ॥ ल कि सर्व सवी ऊ स्या वै त न्यै कूट मी प्व नि ॥ उका न स म को व
माव लू मूनी नथ कन ॥ पुवा ध ॥ ख न ल ॥ औ वज्र कि लू कूट ग ॥ यन ॥ लि नि स्वा या मा न य ॥ स्या कू म द वी च मा
य या ॥ य नान द्या दि नि नि व चि द्य न म् ॥ रि धी य न ॥ दं सा लू अष्ट कूट ॥ उ क कूट मू दी य न ॥ सा ह मू वा स मि ॥ १४
खर्व ल य कूटं एकी र्थ न ॥ व ल हानो दि म स मो ॥ अह मि नि स्वा या स रु ॥ रुव द यून वा दृ कि न का ली व रु या
स रु ॥ द हर् नि द्या त थ ॥ अ हा थो नि ना र्क दि न्ना व पि ॥ द ह लू नो हा व जा ती ॥